

ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज



आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

सच्ची खबर सबसे पहले

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 05, अंक -22

दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 29 जनवरी से 04 फरवरी 2026 (प्रत्येक गुरुवार)

पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

मुख्यमंत्री ने बिलासपुर में फहराया तिरंगा

सविधान, लोकतंत्र और सुशासन के रास्ते विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की सर्वोच्चता और विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आज 77वां गणतंत्र दिवस पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास, देशभक्ति और गौरवपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिलासपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और संयुक्त परेड की सलामी ली। उन्होंने शहीद सैनिकों एवं पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित किया तथा छत्तीसगढ़ पुलिस बल को राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ का पदक देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का संविधान हमारी लोकतांत्रिक आस्था, समानता और सामाजिक न्याय का मजबूत आधार है। छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा, विकास और समृद्धि के लिए राज्य सरकार पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने गणतंत्र



दिवस संदेश में राज्य की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं, नक्सल उन्मूलन की दिशा में हुई प्रगति, किसानों-श्रमिकों-महिलाओं के सशक्तीकरण, शिक्षा-स्वास्थ्य-औद्योगिक विकास और सुशासन की विस्तार से जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गणतंत्र दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को स्मरण करने का दिन भी है। उन्होंने संविधान निर्माताओं, विशेषकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए कहा कि संविधान सामाजिक समरसता, समान अधिकार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है। उन्होंने बाबा गुरु घासीदास जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश को संविधान की आत्मा बताया और कहा कि भारतीय गणतंत्र ने ऐसा खुला समाज निर्मित किया है, जहां हर नागरिक राष्ट्र निर्माण में सहभागी बन सकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ ने हाल ही में राज्य स्थापना की रजत जयंती मनाई है। पूर्व प्रधानमंत्री भारत

रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा गठित इस राज्य ने 25 वर्षों में विकास की सशक्त यात्रा तय की है। उन्होंने बताया कि संविधान के मंदिर- छत्तीसगढ़ विधानसभा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के करकमलों से संपन्न हुआ। धान की बालियों की डिजाइन और बस्तर-सरगुजा की लोककला से सुसज्जित यह भवन छत्तीसगढ़ी अस्मिता का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय वंदे मातरम् की 150वीं जयंती राज्यभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। सुकमा जिले के कोटा से लेकर मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सीतामढ़ी हरचौका तक लोगों ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया। यह बॉकम चंद्र चट्टोपाध्याय को सच्ची श्रद्धांजलि है।

मुख्यमंत्री ने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन का उल्लेख करते हुए कहा कि जनजातीय समाज ने स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा लोकार्पित शहीद वीर नारायण सिंह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी डिजिटल संग्रहालय देश का

नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य पूर्ण होने जा रहा

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि माओवादी हिंसा लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती रही है, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने निर्णायक रणनीति अपनाई है। उन्होंने बताया कि जवानों के अदम्य साहस और सतत अभियानों के परिणामस्वरूप माओवादी हिंसा अब अंतिम चरण में है और मार्च 2026 तक प्रदेश को नक्सलमुक्त करने का लक्ष्य पूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास, बस्तर कैफे जैसी पहलों और नियद नेष्ठा नार योजना के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों की जानकारी दी।

पहला डिजिटल संग्रहालय है, जो आज की पीढ़ी को जनजातीय नायकों के बलिदान से परिचित कराता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य बनने के बाद सबसे बड़ी चुनौती अन्नदाता की समृद्धि रही है। आज छत्तीसगढ़ के किसान को धान का देश में सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है। उन्होंने बताया कि धान खरीदी 5 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 149 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच चुकी है। बीते दो वर्षों में किसानों के खातों में डेढ़ लाख करोड़ रुपए अंतरित किए गए हैं। अटल सिंचाई योजना के तहत 115 लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूर्ण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में 26 लाख से अधिक आवास स्वीकृत किए गए हैं और प्रतिदिन

लगभग 2 हजार आवासों का निर्माण हो रहा है, जो देश में सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है और शीघ्र ही प्रथम स्थान की ओर अग्रसर है। सौर ऊर्जा, गैस आधारित परियोजनाओं और शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य पर तेजी से काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपए की सम्मान राशि प्रदान किए जाने की जानकारी दी। अब तक 14,948 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जा चुकी है। उन्होंने श्रमिकों के लिए ईएसआई, श्रम संहिताओं और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की बात कही। मुख्यमंत्री ने बताया कि युक्तियुक्तकरण से शिक्षकों की कमी दूर की गई है।

केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने ध्वजारोहण कर परेड की ली सलामी

■ गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न

■ सांस्कृतिक कार्यक्रम में के.पी.एस., झांकी में जिला पंचायत एवं शिक्षा विभाग और परेड में जिला पुलिस बल अग्रवाल रहा

दुर्ग। 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह दुर्ग जिले में पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने दुर्ग के रविशंकर स्टेडियम में आयोजित 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्री साहू ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया। उन्होंने उल्लास एवं उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े।

मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री साहू ने कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह और एसपी श्री विजय अग्रवाल के साथ परेड का निरीक्षण किया और आम नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। परेड कमाण्डर



रक्षित निरीक्षक श्री नीलकंठ वर्मा के नेतृत्व में जिला पुलिस बल, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, एनसीसी जुनियर एवं सीनियर, के 10 प्लाटून द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट करते हुए सलामी मंच के सामने से गुजरे। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि राज्यमंत्री श्री साहू प्लाटून कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया।

इस मौके पर उन्होंने शहीद के परिजनों को शॉल एवं श्रीफ्त भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देश-भक्ति गीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम

की प्रस्तुति दिये। समारोह के समापन पूर्व मुख्य अतिथि प्रदेश के राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। समारोह में संभागायुक्त श्री सत्यनारायण राठौर, आईजी श्री अभिषेक शांडिल्य, अहिवाल विधायक श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चन्द्राकर, एसपी श्री विजय अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन, अपर कलेक्टर

श्री वीरेन्द्र सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री हरवंश मिरी, श्रीमती सिद्धी थॉमस, एसडीएम श्री हितेश पिस्टा, श्री उत्तम ध्रुव, अध्यक्ष केन्द्रीय सहकारी बैंक मर्यादित श्री प्रितपाल बेलचंदन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

समारोह में प्रथम स्थान प्राप्त झांकी में जिला पंचायत दुर्ग एवं शिक्षा विभाग को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिला पंचायत द्वारा जल शक्ति अभियान व विकसित भारत जी राम जी का प्रदर्शन किया गया। जल शक्ति अभियान जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए लागू किया गया है। इस अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का पुनर्जीवन और घर घर नल से जल योजना पर जोर दिया जा रहा है। जल सुरक्षा के बिना विकसित भारत की कल्पना संभव नहीं है। अभियान में जनभागीदारी को अहम बताया गया है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी सुरक्षित किया जा सके। शिक्षा विभाग द्वारा

पीएमश्री स्कूल/उल्लास नवभारत साक्षरता एवं बालवाड़ी को प्रदर्शित किया गया। पीएम श्री स्कूल योजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। वहीं उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान और बालवाड़ी कार्यक्रम के तहत बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया गया।

द्वितीय स्थान पर महिला एवं बाल विकास विभाग, पशु चिकित्सा विभाग एवं जेल विभाग को संयुक्त रूप से दिया गया। महिला बाल विकास विभाग के झांकी में बाल विवाह मुक्त अभियान को झांकी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। समाज से बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम, शिक्षा को बढ़ावा और कड़े कानूनों के पालन पर जोर दिया गया। पशु चिकित्सा विभाग के झांकी में गौधन योजना/पशु संरक्षण एवं टीकाकरण को प्रदर्शित किया गया, जिसमें गौधन योजना के अंतर्गत पशुओं के संरक्षण, गोवंश संवर्धन और नियमित टीकाकरण पर बल दिया गया।

जनसंपर्क कार्यालय में ध्वजारोहण

दुर्ग (ज्वाला एक्सप्रेस)। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला जनसंपर्क कार्यालय में संयुक्त संचालक श्री एम.एस. सोरी ने ध्वजारोहण किया। अधिकारी/कर्मचारियों ने राष्ट्रगान कर तिरंगा झण्डे को सलामी दी। इस अवसर पर कार्यालय के सहायक सूचना अधिकारी सुश्री भारती साहू, सहायक ग्रेड-2 श्रीमती कनक कोमरा, जिला समन्वयक श्री गावेन्द्र देशमुख एवं श्री दिनेश साहू, श्रीमती हिमेश ठाकुर, अंजली फूले और मंजू कोमरा उपस्थित थे।



विद्यालय भवन केवल ईट-गारे का ढांचा नहीं, बच्चों के भविष्य की नींव : अरुण साव



विद्यालय भवन केवल ईट-गारे का ढांचा नहीं, बच्चों के भविष्य की नींव

रायपुर (ज्वाला एक्सप्रेस)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव कोण्डागांव में सेंट जेवियर्स स्कूल के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत रूप से भवन का उद्घाटन कर विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि विद्यालय भवन केवल ईट-गारे से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यहीं से बच्चों के चरित्र,

संस्कार और भविष्य का निर्माण होता है। श्री साव ने कहा कि उन्होंने स्वयं अपने बचपन में सीमित संसाधनों और मिट्टी से बने विद्यालय भवन में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त की, जबकि आज के समय में बच्चों को सर्वसुविधायुक्त विद्यालय भवन उपलब्ध हैं। यह समय का सकारात्मक परिवर्तन है, जिसका सही उपयोग कर बच्चों को आगे बढ़ना चाहिए।

श्री साव ने कहा कि सेंट जेवियर्स स्कूल समूह देशभर में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाना जाता है और शिक्षा जगत में उसकी एक विशिष्ट पहचान है। इस नवनिर्मित भवन से कोण्डागांव जिले में शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के

प्रतिस्पर्धात्मक युग में आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच अत्यंत आवश्यक है। कमजोर और निराश व्यक्ति कभी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। ऊर्जावान और सकारात्मक सोच रखने वाला व्यक्ति हमेशा आगे बढ़ता है।

श्री साव ने कहा कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर नए उत्साह और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य से पहले जीवन की सही दिशा तय करने की सलाह दी और कहा कि नई ऊर्जा, अनुशासन और संकल्प के साथ पढ़ाई में स्वयं को झोंक दें, सफलता अवश्य मिलेगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेण्डी ने नवनिर्मित विद्यालय भवन के शुभारंभ पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जब सरकार को आगे बढ़ना चाहिए।



नियद नेल्लानार के 10 दुर्गम गांवों में आजादी के बाद पहली बार लहराया तिरंगा

बस्तर (ज्वाला एक्सप्रेस)। बस्तर की सुदूर पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच बसे उन गांव जहाँ दशकों तक सिर्फ खौफ का साया था, आज राष्ट्रगान की गूँज सुनाई दी। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और गृहमंत्री श्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में सुकमा जिले के 10 अति-संवेदनशील गांवों में आजादी के बाद पहली बार तिरंगा फहराया गया। यह केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि नक्सलवाद पर लोकतंत्र की निर्णायक जीत का संकेत है।

सुकमा के दुर्गम अंचलों के नियद नेल्लानार के गांव तुमालभट्टी, वीरगंगलेर, मैता, पालागुड़ा, गुंडराजगुंडेम, नागराम, वंजलवाही, गोमुंडा, पेदाबोडकेल

और उरसांगल में पहली बार गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया गया। सुरक्षा बलों की सतत तैनाती और नवीन कैंपों की स्थापना ने वह सुरक्षा घेरा प्रदान किया, जिसके कारण ग्रामीण दशकों के भय को त्यागकर मुख्यधारा से जुड़ने आगे आए।

प्रशासन की सक्रियता से इन गांवों में प्रशासन की पहुँच सुनिश्चित हुई है। बुजुर्गों से लेकर स्कूली बच्चों तक ने भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों के साथ तिरंगे को सलामी दी। ग्रामीणों की आँखों में सुरक्षित भविष्य की चमक इस बात का प्रमाण है कि शासन की 'विश्वास आधारित नीति' रंग ला रही है। सुरक्षा कैंपों के माध्यम से जवानों ने न केवल क्षेत्र को सुरक्षित किया, बल्कि ग्रामीणों का मित्र बनकर उनका दिल भी जीता।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गणतंत्र दिवस पर अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में फहराया राष्ट्रीय ध्वज



सरगुजा में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

स्कूली बच्चों ने दी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

सरगुजा (ज्वाला एक्सप्रेस)। सरगुजा जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अम्बिकापुर के पीजी कॉलेज मैदान में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर परेड की सलामी ली। उन्होंने परेड का निरीक्षण करने के साथ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

द्वारा प्रदेश की जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन किया। उन्होंने तिरंगे के प्रतीक रूप में रंग-बिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े। उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया साथ ही जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा झांकियों के द्वारा जिले के विकास कार्यों एवं विभिन्न योजनाओं का प्रदर्शन किया गया।

परेड की टुकड़ियों द्वारा किया गया शानदार मार्च पोस्ट

गणतंत्र दिवस समारोह में परेड

इन कमाण्डर रक्षित निरीक्षक श्रीमती तृप्ति सिंह राजपूत, सेकेण्ड परेड इन कमाण्डर उप निरीक्षक सुश्री सुनीता भारद्वाज के नेतृत्व में 14 टुकड़ियों के द्वारा शानदार मार्च पास्ट किया गया। इस दौरान दलों ने देशभक्ति धुनों पर कदम से कदम मिलाते हुए आकर्षक मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया। गणतंत्र दिवस के उत्कृष्ट कार्य करने वाले 83 अधिकारी - कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। विजेता प्रतिभागियों को उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण, मरीजों की सुविधाओं, भोजन, दवा एवं स्वच्छता पर दिए सख्त निर्देश

निर्माणधीन क्रिटिकल केयर ब्लॉक का अवलोकन, गुणवत्ता से समझौता न करने के निर्देश

ओपीडी, आईसीयू एवं विभिन्न वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से लिया फीडबैक
जांजगीर-चांपा

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज जिला चिकित्सालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जीवनदीप समिति के स्वीकृत कार्यों का निरीक्षण किया गया। जिसमें नवनिर्मित ओ.पी.डी. हॉल, नवीन ओ.टी. अतिरिक्त कक्ष, मरचुरी का जिर्णोद्धार व शेड निर्माण, सामुहिक शौचालय निर्माण, पेइंग वाई एवं अटल समरसत्ता भवन के के सामने नवीन गार्डन निर्माण, नवीन स्थानान्तरित पोषण पुनर्वास केन्द्र, आपातकालीन, प्रसव, नेत्र, आर्थो, मेजर तथा माईनर ओ.टी. एवं सी.सी.एच.बी. द्वारा निर्मित लिफ्ट निर्माण, 50 बिस्तरिय सी.सी.एच.बी. के निर्माण का निरीक्षण किया एवं निर्माणधीन कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय पर



पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने चिकित्सालय में मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं का भी जानकारी ली। जिसमें ओ.पी.डी., सर्जरी, भर्ती मरीजों को प्रदाय की जाने वाली भोजन की व्यवस्था की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने जिला

चिकित्सालय को नवीन मेडिकल कॉलेज में उन्नयन करने के संबंध में भी पूर्ण जानकारी ली तथा उन्नयन के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान समस्त अधिकारी, कर्मचारियों को समय पर ड्युटी आने एवं कार्यों को गुणवत्ता के साथ करने एवं

साफसफाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय जांजगीर में मरीजों को समुचित सुविधा प्रदान करते हुए दवाई एवं अन्य सामग्री की निरंतर आपूर्ति बनाये रखने हेतु निर्देश दिए। कलेक्टर ने समस्त मरीजों को शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड ब्लॉकिंग एवं इन्हेसमेंट करने हेतु निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने शीघ्र ही मानव संसाधन एवं उपकरण का प्रस्ताव भेजने हेतु सिविल सर्जन को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिता श्रीवास्तव, सिविल सर्जन एस. कुंजुर, डीपीएम उकरपं तिवारी सहित सीजीएमएससी एवं संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आपसी संघर्ष में बाघ की मौत, पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

मुंगेली

अचानकमार टाइगर रिजर्व अंतर्गत अचानकमार परिक्षेत्र के सारसडोल परिक्षेत्र में 25 जनवरी को एसटीपीएफ की नियमित पेट्रोलिंग के दौरान एक नर बाघ मृत अवस्था में पाया गया। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक कार्यप्रणाली के अनुरूप गठित शव परीक्षण समिति की उपस्थिति में 26 जनवरी को मृत बाघ का पोस्टमार्टम किया गया।

शव परीक्षण एवं पंचनामा रिपोर्ट के अनुसार बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मृत नर बाघ की गर्दन की हड्डी टूटी हुई थी तथा गर्दन के निचले हिस्से में अन्य नर बाघ के दांतों के स्पष्ट निशान पाए गए। जांच दल को घटनास्थल पर आपसी क्षेत्रीय संघर्ष के भी पुष्टा साक्ष्य मिले, जिनमें टूटी हुई झाड़ियाँ, बाघ का मल, खरोच के निशान तथा बालों की उपस्थिति शामिल है। इसके अतिरिक्त मृत बाघ



के पंजों एवं नाखूनों में भी दूसरे बाघ के बाल पाए गए। इन तथ्यों से यह पुष्टि हुई कि लगभग दो वर्ष आयु के नर बाघ की मृत्यु दो बाघों के बीच हुए आपसी संघर्ष के कारण हुई। घटना में शामिल दूसरे बाघ की पहचान कर ली गई है, जिसकी कैमरा ट्रैप और फ़ैल्ड ट्रैकिंग के माध्यम से तत्त निगरानी की जा रही है। पोस्टमार्टम उपरांत शव दहन की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

इस संपूर्ण कार्यवाही के दौरान एनटीसीए प्रतिनिधि, मुख्य वन्यप्राणी अभिरक्षक के प्रतिनिधि, वन्यजीव विशेषज्ञ, पशु चिकित्सक

दल, अचानकमार टाइगर रिजर्व के अधिकारी-कर्मचारी तथा संबंधित परिक्षेत्र के वन अमले की उपस्थिति रही। वन विभाग के अनुसार यह घटना बाघों की आबादी वाले क्षेत्र में सामान्य क्षेत्रीय व्यवहार को दर्शाती है। अचानकमार टाइगर रिजर्व में अनुकूल आवास, काहा-बांधवागढ़ कॉरिडोर से प्राकृतिक आवागमन तथा सफल प्रजनन के चलते बाघों की संख्या में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा एवं आपसी संघर्ष की घटनाएं स्वाभाविक रूप से सामने आती हैं।

सांसद संतोष पाण्डेय ट्रॉफी 2026: चौथे दिन कैबिनेट दर्जा, मंत्री नीलू शर्मा रहे उपस्थित

डोंगरगांव

ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित 'सांसद संतोष पाण्डेय ट्रॉफी 2026' का चौथा दिन अत्यंत उत्साह, उमंग और रोमांच से भरपूर रहा। चारभाटा मैदान में मुबह से देर शाम तक दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी रही। खिलाड़ियों का अनुशासन, खेल भावना और जोश देखकर यह स्पष्ट हो गया कि यह प्रतियोगिता अब केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र में एक सशक्त ग्रामीण खेल आंदोलन का स्वरूप ले चुकी है।

प्रतियोगिता में अब तक 64 टीमों, 704 पंजीकृत खिलाड़ी तथा सैकड़ों अतिरिक्त खिलाड़ी भाग ले चुके हैं, जबकि प्रतिदिनहजारों दर्शक मैदान में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का आयोजन दो मैदानों में एक साथ किया जा रहा है, जिससे अधिक टीमों को खेलने का अवसर मिल रहा है और दर्शकों को लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। आयोजन स्थल पर अनुशासन, व्यवस्थापन और खेल भावना की सराहनीय झलक भी देखने को मिली। चौथे दिन के मुख्य कार्यक्रम में कैबिनेट दर्जा प्राप्त पर्यटन मंत्री श्रीमती नीलू शर्मा विशेष



रूप से उपस्थित रहें। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवाओं की प्रतिभा को पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम हैं। सांसद संतोष पाण्डेय द्वारा प्रारंभ की गई यह ट्रॉफी आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को जन्म देगी। खेल युवाओं को नशे से दूर रखता है और उन्हें अनुशासन, संघर्ष और नेतृत्व का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने आयोजन समिति की प्रशंसा करते हुए इसे समाज निर्माण की दिशा में अत्यंत सराहनीय पहल बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता कैलाश शर्मा ने कहा कि आज आवश्यकता है कि प्रत्येक गांव में खेल का वातावरण बने। सांसद संतोष पाण्डेय ट्रॉफी जैसे

आयोजन युवाओं को मोबाइल और नशे की लत से हटाकर मैदान से जोड़ रहे हैं, जो भविष्य में राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव सिद्ध होंगे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और समाज के लिए प्रेरणा बनें। प्रतियोगिता के रोमांचक मुकाबलों के बीच क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश करने वाली टीमों बेतुंगोडी, राजाखुज्जी, टेढ़ेसरा, करमरी तथा जोधरा/कोपेडीह की विजयी टीम रहें। चौथे दिन मैदान में चिचोला, परना, खुसीपार, बड़भूम, जोंधरा, बहनी चारभाटा, नादिया, कापा एवं कोपेडीह की टीमों ने मुकाबलों में भाग लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें पूर्व मंडल

अध्यक्ष अनिरुद्ध चंद्रकार, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष गुलशन हिरवानी, मंडल अध्यक्ष दीना पटेल, महामंत्री हेमंत चोपड़ा, पूर्व जनपद सदस्य भूपेंद्र नायक, भाजपा नेता दिग्विजय मिश्रा, ज्योति साहू, मिथिलेश साहू, पवन खरे, जेठू राम साहू, दुधु साहू, माधव साहू, कार्तिक साहू, किशोर साहू, हनुमान साहू, पुनीत साहू, सरपंच कापा ढाल सिंह कोसामा, ग्राम पटेल मोतीराम पिस्दा, मनीष साहू सहित सैकड़ों की संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद रहे। समग्र रूप से यह स्पष्ट होता जा रहा है कि सांसद संतोष पाण्डेय ट्रॉफी 2026 क्षेत्र में खेल संस्कृति को नई ऊँचाई दे रही है और आने वाले दिनों में मुकाबले और भी अधिक रोमांचक होने की प्रबल संभावना है।

डोंगरगांव

देश का 77वां गणतंत्र दिवस सोमवार, 26 जनवरी 2026 को जनपद पंचायत डोंगरगांव परिसर में पूरे हर्षोल्लास, गरिमा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पड़ौती ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्राणा के साथ कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की। गणतंत्र दिवस समारोह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) श्रीकांत कोराम, तहसीलदार कमल किशोर साहू, भाजपा वरिष्ठ नेता दिनेश गांधी, रामकुमार गुप्ता, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी सहित जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंचगण, सचिवगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात जनपद अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पड़ौती ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए भारतीय संविधान की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार दिया है, और पंचायतें लोकतंत्र की सबसे मजबूत आधारशिला हैं। ग्रामीण विकास की गति देने के लिए जनप्रतिनिधियों और



प्रशासन के बीच समन्वय आवश्यक है। अपने संबोधन में उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और ग्रामीण अधोसंरचना विकास के क्षेत्र

में जनपद पंचायत द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी उन्होंने जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। साथ ही देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह में उत्साह और गर्व की भावना का संचार किया। अंत

में जनपद अध्यक्ष रंजीता पड़ौती ने सभी नागरिकों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संविधान के आदर्शों पर चलने और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् और भारत माता की जय के जयघोष के साथ हुआ।

गणतंत्र दिवस 2026 पर स्वास्थ्य विभाग में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जिला प्रशासन ने किया समान

जनसेवा की मिसाल बने 'चॉकलेट वाले डॉक्टर' मुकेश कुमार साहू जिला सम्मान से सम्मानित



डोंगरगांव

—गणतंत्र दिवस समारोह 2026 के पानन अवसर पर स्वास्थ्य विभाग में उल्लेखनीय, समर्पित एवं नवाचारी सेवाओं के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गैदाटोला में पदस्थ नेत्र सहायक अधिकारी मुकेश कुमार साहू को जिला सम्मान एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें जनसेवा के प्रति समर्पण, निरंतर उत्कृष्ट कार्य और अनूठी कार्यशैली के लिए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी एवं 15 अगस्त को जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के एक वर्ष के कार्यों की समीक्षा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने

वालों को जिला सम्मान से नवाजा जाता है। इसी क्रम में वर्ष 2026 में स्वास्थ्य विभाग से श्री साहू का चयन किया गया। श्री साहू पिछले कई वर्षों से वनांचल गैदाटोला एवं छुरिया क्षेत्र में निरंतर उत्कृष्ट सेवाएं दे रहे हैं। नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में उनकी सेवाएं अत्यंत सराहनीय रही हैं। ग्रामीण अंचलों में वे 'चॉकलेट वाले डॉक्टर' के नाम से लोकप्रिय हैं, क्योंकि बच्चों के प्रति उनका स्नेह, अपनापन और सरल व्यवहार उन्हें विशेष पहचान दिलाता है। मुकेश कुमार साहू नियमित रूप से गांव-गांव भ्रमण कर सर्वे करते हैं और प्रत्येक गांव में नेत्र जांच शिविर आयोजित कर ग्रामीणों को आंखों की बीमारियों के प्रति जागरूक करते हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि 'यदि लोग अस्पताल नहीं आ सकते, तो अस्पताल को लोगों के गांव और घर तक

पहुंचाना चाहिए।' इसी सोच के साथ वे न केवल ग्रामीणों का उपचार करते हैं, बल्कि उन्हें आगे के इलाज के लिए अस्पताल आने के लिए भी प्रेरित करते हैं। जिला राजनांदगांव में राष्ट्रीय अंधत्व एवं दृष्टिबाधित नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मात्र दो वर्षों में जिला सम्मान प्राप्त करने वाले वे पहले अधिकारी बन गए हैं। स्वास्थ्य विभाग में उनके कार्यों की व्यापक सराहना की जा रही है। स्कूल हेल्थ कार्यक्रम के तहत श्री साहू द्वारा अब तक पांच बच्चों को आंखों की रोगशनी दिलाई जा चुकी है। वे कक्षा छठवीं, सातवीं एवं आठवीं के विद्यार्थियों के स्कूलों में जाकर नेत्र जांच करते हैं, जल्दतरतम बच्चों को निःशुल्क चश्मा उपलब्ध कराते हैं तथा जिन बच्चों को ऑपरेशन की आवश्यकता होती है, उनका सफल ऑपरेशन सुनिश्चित द्वारा बिना नहीं



रुकते। सरल स्वभाव, मजबूत सेवा भावना और कार्य को अंतिम परिणाम तक पहुंचाने की क्षमता उनकी सबसे बड़ी विशेषता हैं। उनके जिला सम्मान से सम्मानित होने पर परिवार, गांव और पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। साथ ही समाज में यह संदेश भी गया है कि ईमानदारी और समर्पण से किए गए कार्यों का सम्मान अवश्य होता है। **सम्मान पर बोले मुकेश कुमार साहू** 'मेरा लक्ष्य जनसेवा है और मैं अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए निरंतर कार्य कर रहा हूँ। जब मैं लोगों के काम आता हूँ तो मुझे बहुत खुशी मिलती है और उनके बीच रहकर अच्छा लगता है। जिला सम्मान के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।'—

रिपोर्टर विजय साहू। कसडोल संयुक्त शासकीय विद्यालय हड़हापारा में पार्षद भानु प्रताप ने किया ध्वजारोहण, निकाली गई प्रभातफेरी

कसडोल

संयुक्त शासकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक विद्यालय हड़हापारा में वार्ड के पार्षद भानु प्रताप साहू ने सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम भारत माता और माँ सरस्वती का वंदन कर शाला प्रांगण में ध्वजारोहण कर झंडे को सलामी दिया गया। तत्पश्चात नन्हें बच्चों द्वारा वार्ड में प्रभात फेरी निकाली गई। इसके बाद स्कूल पहुँचकर सर्वप्रथम राष्ट्राणा के बाद राजकीय गीत स्कूली छात्रों द्वारा संबोधन किया गया। इस दौरान श्री साहू का विद्यालय के प्रधानपाठिका हेमिन श्रीवास सहित शिक्षक दाताराम साहू, संजय यादव, अशोक साहू, सुखराम पैकरा सहित अन्य द्वारा उपस्थित मंच को पुष्पगुच्छ और वंदन से स्वागत किया गया। इसके बाद विद्यालय के नन्हें मुँह बच्चों के द्वारा पीटी कार्यक्रम का प्रदर्शन भी किया। वहीं कार्यक्रम के दौरान श्री साहू ने अपने संबोधन में कहा कि 26 जनवरी 1950 के दिन से हम अपने गणतन्त्र को संवैधानिक आदर्शों की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। इसी दिशा, हमने अपने संविधान को पूरी तरह से लागू किया। लोकतन्त्र की जननी, भारतभूमि, उपनिवेश के विधि-विधान से मुक्त हुई और हमारा लोक-तन्त्रात्मक गणराज्य अस्तित्व में आया। 15 अगस्त 1947 के बाद देश आजाद तो हुआ लेकिन एक मजबूत संविधान के बिना देश को



सही दिशा में चलाना संभव नहीं था। इसलिए 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू किया गया। इस संविधान ने सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए और भेदभाव को समाप्त करने का प्रयास किया। श्री साहू ने आगे कहा कि भारत देश की आजादी पर स्वतंत्रता सेनानियों और अमर जवानों का मुख्य योगदान रहा। जिसके कारण ही भारत देश आजाद होकर आज गणतंत्र दिवस मना रहा है। श्री साहू ने वार्ड के स्कूल को सुरक्षित, शिक्षित और समृद्ध बनाने का भी आह्वान किया। साथ ही बीते दिवस विद्यालय प्रांगण में हुये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की। श्री साहू ने कहा कि आज देश

में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में विष्णु देव साय की सरकार ने शासकीय स्कूलों का जीर्णोद्धार और उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान किया है जिसके कारण आज निजी विद्यालय से कहीं आगे शासकीय स्कूल के बच्चों का शिक्षा प्रदर्शन दिख रहा है, श्री साहू ने स्कूल स्टाफ की खूब सराहना करते हुए बच्चों को आगामी वार्षिक परीक्षा में टॉप करने की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उत्कृष्ट सभी बच्चों को पुरस्कार दिया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिका, जनभागीदारी के अध्यक्ष रमेश साहू, रामकुमार कैवल्य, राजू केवट, वरिष्ठ नागरिक संतैराम निषाद सहित वार्डवासी मौजूद रहें।

टेंपल सिटी शिवरीनारायण में केवट निषाद समाज द्वारा श्री सीताराम, गुहा निषादराज का भव्य शोभायात्रा

शिवरीनारायण

टेंपल सिटी के नाम से प्रसिद्ध धर्म एवं आध्यात्व की नगरी शिवरीनारायण में केवट निषाद समाज द्वारा गुहा निषादराज जयंती का 10 वां वर्ष अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री सीताराम जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन शामिल हुये। शबरी नारायण धाम के महानदी तट स्थित रामघाट पर स्थित केवट मंदिर से प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी माघ शुक्ल सप्तमी को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। केवट निषाद समाज द्वारा अपनी आराध्य परंपरा को सजीव करते हुए निषादराज जयंती का यह आयोजन विशेष धार्मिक महत्व के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर श्री राम-जानकी चौबीस अवतार भगवान मंदिर, जो समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है, में विधिवत ध्वज चढ़ाया गया, सत्यनारायण कथा का आयोजन हुआ तथा विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात मंदिर से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होकर रामघाट,



बाबाघाट, रपटा घाट, अंबेडकर चौक, मेन रोड, बांबे मार्केट, नटराज चौक होते हुए पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा का नेतृत्व केवट निषाद समाज शिवरीनारायण, युवा समाज एवं महिला समाज द्वारा किया गया। बाजे-गाजे, ढोल-नगाड़े, आतिशबाजी एवं भक्ति संगीत से संपूर्ण नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। शोभायात्रा में

भगवान श्री राम, लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान, माता शबरी एवं नाविक केवट की जीवंत झांकियां सुसज्जित रथों पर आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहीं।नगर भ्रमण के दौरान लक्ष्मी वस्त्रालय परिवार एवं समाज के पूर्व अध्यक्ष डॉ. शांतिलाल कैवर्‍य द्वारा मिष्ठान वितरण कर शोभायात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। पारंपरिक कर्मां नृत्य एवं शबरी

धमाल की धुन पर समाजजन नाचते-गाते उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागी बने। इस गरिमामय आयोजन में केंद्रीय समिति शिवरीनारायण के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। विशेष रूप से रायपुर से प्रेमलता निषाद, महिला समिति अध्यक्ष चन्द्राणी केवट, युवा समाज अध्यक्ष लेखराम केवट, कोषाध्यक्ष विकास केवट ,केंद्रीय मीडिया प्रभारी अजय केवट, संभाग अध्यक्ष धनेश निषाद, सलाहकार डॉ. मनहरण केवट सहित शिवरीनारायण, जांजगीर-चांपा, सक्की, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, बिलाईगढ़-सारंगढ़ एवं आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में समाजसेवी एवं श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए सामाजिक एकता, संस्कृति एवं परंपरा को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने में संकल्प लिया। अंत में मीडिया के माध्यम से उग्रश्वर गोपाल केवट ने समस्त सहयोगियों, श्रद्धालुओं एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

डॉ रमाशंकर श्रीवास्तव ने कांकेर में तिरंगा फहराकर गणतंत्र दिवस मनाया



कांकेर

आज भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस पावन अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रमाशंकर श्रीवास्तव ने कांकेर बरदेभाटा सरस्वती शिशु मंदिर में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर तिरंगा फहराया। इस अवसर पर, डॉ श्रीवास्तव ने विद्यालय के प्रधानाचार्य, आचार्य, छात्र-छात्राओं

और अभिभावकों को गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह दिन हमें हमारे देश की आजादी और संविधान की महत्ता को याद दिलाता है।डॉ श्रीवास्तव ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे देश के लिए एकजुट होने और अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के लिए काम करना चाहिए और अपने

संविधान के मूल्यों को बनाए रखना चाहिए।इस अवसर पर, विद्यालय के प्रधानाचार्य ने डॉ श्रीवास्तव का स्वागत किया और कहा कि उनकी उपस्थिति से विद्यालय के छात्र-छात्राओं को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्र-छात्राएं देश के भविष्य हैं और उन्हें अपने देश के लिए काम करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में, डॉ श्रीवास्तव ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उन्हें अपने देश के लिए काम करने के लिए प्रेरित किया।

पवित्र नगरी अमरकंटक में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

अमरकंटक

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नारी अमरकंटक में 77वां राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस पूरे हर्षोल्लास, उत्साह एवं देशभक्ति के वातावरण में परंपरागत ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर स्थानीय पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक के प्रांगण से विशाल प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में गणवेश धारण किए छात्र-छात्राएं बैंड की मधुर धुनों के साथ हाथों में तिरंगा लिए देशभक्ति गीत गाते हुए कदमताल करते नजर आए। प्रभात फेरी का नेतृत्व एनसीसी दल द्वारा किया गया। इसमें सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय तथा नगर स्थित कन्या माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं शामिल हुए।

मां नर्मदा मंदिर प्रांगण के सामने सार्वजनिक स्थल पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती पार्वती सिंह उदके ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक, नगर परिषद के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं पुलिस बल उपस्थित रहे। एनसीसी छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान का संस्वर गायन किया गया।



तत्पश्चात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके पुण्य स्मरण में उनका प्रिय भजन प्रस्तुत किया गया।कार्यक्रम के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष ने प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। नगर परिषद के उपाध्यक्ष रज्जू सिंह नेताम ने प्रदेश के मुख्यमंत्री का संदेश वाचन किया, जबकि मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने आभार

प्राचार्य कमलेश मिश्रा, पुलिस थाना अमरकंटक में नगर निरीक्षक लाल बहादुर तिवारी, अमरकंटक विकास प्राधिकरण में नायब तहसीलदार ज्ञानदास पानिका, नगर परिषद कार्यालय में मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

इसी क्रम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर शासकीय उतर माध्यमिक विद्यालय में प्रभारी प्राचार्य रोहित लाल त्रिपाठी, कन्या क्रीड़ा परिसर में संगीता दीन, बालक क्रीड़ा परिसर में लवकेश पिट्टानिया, कल्याणिका शिक्षा महाविद्यालय में प्राचार्य रामसेवक कुशरावह, भारतीय स्टेट बैंक अमरकंटक में शाखा प्रबंधक गौरव उपाध्याय तथा डाकघर अमरकंटक में महेश सिंह परस्ते द्वारा ध्वजारोहण किया गया। वहीं वन परिक्षेत्र कार्यालय अमरकंटक में वन परिक्षेत्र अधिकारी वीरेंद्र श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी।

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नगर के विभिन्न शासकीय कार्यालयों को रंगीन विद्युत झालरों से आकर्षक रूप से रोशन किया गया। नगर परिषद अमरकंटक द्वारा नगर के समस्त विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को मिष्ठान स्वरूप बूंदी का वितरण कराया गया, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह एवं उल्लास देखने को मिला।



एक समय था, जब किसी घर में मृत्यु का साया पड़ता तो सारा मोहल्ल, पूरा पड़ोस, रास्ते में चलने वाला हर राहगीर रुक जाता। अर्थी उठती तो कंधे देने की होड़ मच जाती। लोग कहते, “चलो यार, कंधा दे दे...” कुछ सवाब तो मिलेगा।= वह सवाब सिर्फ शब्द नहीं था—वह था हृदय की पुकार, वह था मानवता का आँसू, वह था एक-दूसरे के दुख में शामिल होने का वह अनमोल क्षण, जो हमें जीवित रहने का अर्थ सिखाता था।गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु गरुड़ को बताते हैं कि जो पुत्र अपने मृत पिता को कंधे पर उठाकर रमशान तक ले जाता है, वह पाग-पाग पर अक्षमेष जज्ञ का फल प्राप्त करता है। पिता ने जवान पर पुत्र को गोद में, कंधे पर, पीठ पर उठाकर पाला, उस ऋषा से मुक्ति तभी मिलती है जब पुत्र मृत पिता को अपने कंधे पर ढोता है। यह सिर्फ कर्म नहीं—यह

था पुण्य का वह मार्ग, जो आत्मा को शांति देता था और जीवितों को मोक्ष की ओर ले जाता था।पर आज... आज वह पुण्य हमसे दूर हो गया है। शहरों की चकाचौंध भरी भागदौड़ में समय ही नहीं बचा। शववाहन आता है, शव उसमें रख दिया जाता है, और पीछे-पीछे अपनी-अपनी कारों में लोग चल पड़ते हैं। कंधा? वह तो अब सिर्फ पुरानी कहानियों में बचा है। ग्रामीण इलाकों में अभी भी थोड़ा-बहुत वह दृश्य दिखता है—लोग आँखों में आँसू लिए, सीने में दर्द समेटे, कंधा देने दौड़ पड़ते हैं। लेकिन शहर? यहाँ तो लोग कहते हैं, “काम है”, “ट्रैफिक है”, “मीटिंग है”।कभी सोचा है, उस अंतिम यात्रा में जब अर्थी अकेली पड़ती है, तब मृतक की आत्मा क्या सोचती होगी? क्या वह भी सोचती होगी कि जिनके लिए मैंने जीया, जिनके लिए मैंने रोया—हँसा, आज वे मेरे लिए दो

मिनट भी नहीं निकाल पा रहे? एक बेटी की मृत्यु पर सिर्फ पिता और भाई अर्थी उठाते हैं—गाँव के लोग, रिश्तेदार, पड़ोसी... कोई नहीं आता। बहाने तैयार हैं: शायदी है, काम है, या बस चुपची। वह चुपची कितनी भारी है, कितनी मारक है—यह सिर्फ देखने वाला जानता है।

हम इतने आधुनिक हो गए कि ईंसानियत को भूल गए। व्यक्तिवाद ने हमें अकेला कर दिया। मोहल्ले का भाव मिट गया। पड़ोसी अजनबी हो गए। शववाहन ने सुविधा दी, पर भावनाओं को छीन लिया। अब कल की कल्पना डरवनी लगती है—शायद आने वाले दिनों में घरवाले ही रमशान तक शव ले जाएँगे। कोई समय मिला तो दो मिनट खड़े होकर “आरआईपी” कहकर चले जाएँगे। और हम? हम चुपचाप अपनी जिंदगी में लौट आएँगे, जैसे कुछ हुआ ही नहीं।



यह पतन क्यों? क्योंकि हम उस पुण्य से भाग रहे हैं, जिसे गरुड़ पुष्पां ने सबसे बड़ा बताया। क्योंकि दुख में साथ देना हमें अपनी मृत्यु की याद दिलाता है—और हम उस सत्य से मुँह मोड़ लेते हैं। लेकिन सत्य तो यही है—एक दिन हम सबकी बारी आएगी। तब क्या हम भी चाहेंगे कि हमारी अर्थी अकेली पड़ी रहे? क्या हम भी चाहेंगे कि हमारे लिए कोई कंधा न दे?रुफिए। अभी भी वक्त है। छोटे-छोटे कदमों से शुरु करीजिए। पड़ोस के घर में दुख तो जाइए। हाथ पकड़िए। आँसू पोछिए। कंधा दीजिए। क्योंकि यह सिर्फ रस्म नहीं—यह है हमारी आत्मा को बचाने का आखिरी अवसर।यदि हम कंधा देने की जगह सिर्फ मैसैज भेजने लगे, तो समाज का क्या होगा? हमारी ईंसानियत का क्या होगा?

हरिशंकर पराशर

फर्नीचर खरीदी में ‘फोटो वाला खेल’, १48 हजार में पुराना टेबल

बांसापारा में विकास के नाम पर लूट का खेल नया सरपंच, पुराना सिस्टम : कागज़ों में चमक, ज़मीन पर सन्नाटा

सूरजपुर/भैयाथान

जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बांसापारा से विकास और सुशासन के दावों की पोल खोलने वाला मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि आज़ादी के इतने वर्षों बाद भी गांव भ्रष्टाचार की बेड़ियों में जकड़ा हुआ है। जिस पंचायत में पारदर्शिता और ईमानदारी की उम्मीद के साथ नया सरपंच चुना गया था, वहीं आज विकास सिर्फ फाइलों और बिलों तक सिमट कर रह गया है।

हैडपंप मरम्मत के नाम पर १60 हजार की निकासी, गांव में एक भी काम नहीं

ग्रामीणों के अनुसार 15वें वित्त आयोग के तहत पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए हैडपंप मरम्मत के नाम पर १60,000 की राशि आहरित की गई। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि गांव के किसी भी हैडपंप की मरम्मत नहीं हुई। ग्रामीणों का साफ कहना है कि बिना काम कराए राशि निकालना सीधा शासकीय धन के गबन और फर्जीवाड़े की ओर इशारा करता है।

स्ट्रीट लाइट के नाम पर अंधेरा ही अंधेरा, १38,114 का खर्च सवालों के घेरे में



गांव की गलियों को रोशन करने के लिए स्ट्रीट लाइट मद में १65,000 का प्रावधान था, जिसमें से १38,114 खर्च दिखाया गया है। जबकि पूरे पंचायत क्षेत्र में केवल 8 से 10 लाइटें ही नजर आती हैं। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि क्या इतनी कम लाइटों की कीमत इतनी अधिक हो सकती है, या फिर शेष राशि कहीं और समा गई?

पंचायत भवन के लिए फर्नीचर खरीदी के नाम पर १48,000 की राशि निकाली गई। मेरी

पंचायत एप पर अपलोड की गई तस्वीरों में 10डू12 प्लास्टिक कुर्सियों के साथ एक पुराना, घिसा हुआ टेबल दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पुरानी सामग्री को नया दिखाकर फोटो खिंचवाना बजट हड़पने की सोची-समझी चाल प्रतीत होती है।

बंद कमरों में ग्राम सभा, उपसरपंच तक अनजान

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत बांसापारा में ग्राम सभाएं सिर्फ नाम की रह गई हैं। बैठकों की सार्वजनिक सूचना नहीं दी जाती। सरपंच, सचिव और कुछ प्रभावशाली लोग बंद कमरों में प्रस्ताव पारित कर फंड निकाल लेते हैं। हैरानी की बात यह है कि कई मामलों में उपसरपंच तक को इन खर्चों की जानकारी नहीं है, जो पंचायती राज अधिनियम का खुला उल्लंघन है।

प्रशासनिक निगरानी पर सवाल, कब टूटेगा भ्रष्टाचार का चक्र?

ग्राम पंचायत स्तर पर हो रही इस कथित धांधली ने प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि गांवों में विकास के नाम पर इस तरह खुली लूट होती रही, तो सुशासन के दावे खोखले ही रह जाएंगे।

ग्रामीणों की मांग— निष्पक्ष जांच और दोषियों से वसूली

ग्रामीणों ने पूरे मामले की स्वतंत्र जांच, भौतिक सत्यापन और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही मांग की गई है कि गबन की गई राशि की वसूली संबंधित लोगों की निजी संपत्ति से की जाए। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन और जिला पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं, या फिर बांसापारा की यह कहानी भी पहलेलों में दबी रह जाएगी।

बजरंग दल ने निकाली सदभावना तिरंगा यात्रा...



जगदलपुर

गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरे नगर मे जहाँ देश भक्ति का भाव सभी नगरीको मे देखने कों मिला वहीं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी तिरंगा यात्रा कर नगर कों देश भक्ति के रंग मे घोल दिया। संघठन के जिलाध्यक्ष शंकर लाला गुप्ता ने बताया की यह यात्रा पुरे नगर मे भ्रमण करेगी और प्रत्येक भारतीय कों देश भक्ति से जोडने और भारत वर्ष के सभी लोगों कों एक जुट रह कर सदभावना का भाव उठके हृदय मे जागृत करने का कार्य करेगी। निश्चित ही हमारा बस्तर शांति का टापू है और हम हमारे बस्तर सहित पूरे भारत मे संघठन के विचारों के माध्यम से प्रत्येक भारतीय कों यहीं संदेश देना चाहते है। की हम सभी एक रहेंगे तभी सेव रहेंगे। हमारी एकता ही हमारी ताकत है और यहीं भारत की पहचान भी है। बजरंग दल जिला संयोजक विष्णु ठाकुर ने कहा

की इस यात्रा का उद्देश्य सभी कों देश प्रेम और राष्ट्र भक्ति से जोडने का है साथ ही उन्होने कहा की कुछ विदेशी ताकतें हमारे भारत कों कमोजर करने के उद्देश्य से अलग अलग तरीके से युवाओ कों गुमराह करने का और मार्ग से भटकाने का कुकृत्य कर रहीं है इन सभी बातो मे हमारे नव जवान ना आये और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी कों निभाए इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु यह बाईक रैली नगर मे निकाली गई है साथ ही बस्तर मे जो रोहिंगिया बाहर से आ कर बसे है ऐसी खबरें भी मिलती रहती है उन लोगो कों भी इस रैली के माध्यम से चेतवानी दी गई है। समय रहते वें सभी अपने मूल स्थान कों चले जाये प्रशामेदारी तो ऐसे सघठन के विचारों कर ही रहा है। यदि अवसर मिला तो हमारे बजरंगी भी धर्म के साथ साथ देश की समप्रबुता एवं एकता की रक्षा हेतु ऐसे राष्ट्र विरोधी लोगो कों सबक सिखाने हेतु सदैव प्रतिबद्ध है। इस सदभावना तिरंगा यात्रा का

शुभारम्भ दंतेश्वरी मंदिर प्रांगण से प्रान्त सह मंत्री रवि बह्मचारी, जिलाध्यक्ष शंकर लाल गुप्ता, योगेंद्र कौशिक,जिला मंत्री नविन देवांगन जविता मंडावी ने भगवा ध्वज दिखा कर किया एवं अपना उद्बोधन दिया नगर मंत्री विक्रम सिंह ठाकुर ने कार्यक्रम का संचलन किया।इस अवसर पर बजरंग दल विभाग संयोजक सिकंदर कश्यप, जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी,जिला उपाध्यक्ष प्रेम चालकी, जिला उपाध्यक्ष जागेश्वर साहू, जिला सेवा समुह पवन राजपूत, जिला समाजिक प्रमुरसता प्रमुख होमेश रावैर, जिला सह संयोजक योगेस रैली नगर अध्यक्ष प्रतिक गुरु,बस्तर प्रखंड अध्यक्ष विवेक शुक्ला , नगर सह संयोजक आजय प्रताप सिंह, नगर सह गौ रक्षा प्रमुख पवन राजा, नगर सुरक्षा प्रमुख अभिषेक साहू, जसवंत जोशी, लक्ष्मीकांत, प्रियांशु, अंशु, जीतेन्द्र,आशीष, सहित सभी बजरंगी उपस्थित रहे।

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है



ललित रर्ग

दरअसल, जल संकट अब हवाटर स्ट्रेसहू से आगे बढ़कर हाग्लोबल वाटर बैक़प्सीहू यानी दुनिया जल के वैशिवक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं।

'जल है तो जीवन है'-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहाँ 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूर और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। दरअसल, जल संकट अब हवाटर स्ट्रेसहू से आगे बढ़कर हाग्लोबल वाटर बैक़प्सीहू यानी दुनिया जल के वैशिवक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहाँ पानी पर्याप्त है, वहाँ बवादी हो रही है और जहाँ पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहाँ लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं।

भारत सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल



हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 'हर खेत को पानी' के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनीं हैं, ड्रिप और स्पिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है। जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कामजो में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक

पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बबादी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पड़ेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कामजो में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल रहा और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले।

दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा

रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है। अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनैजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बाबड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। समाधान का रास्ता स्पष्ट है- कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जिरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुंच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दौगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलू उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। आज समय बहुत कम है। यदि अभी भी हम नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। जल का संकट केवल वर्तमान का नहीं, भविष्य का प्रश्न है। जल है तो जीवन है-इस सत्य को हमें व्यवहार में उतारना होगा। भ्रष्टाचार मुक्त जल प्रबंधन, जिम्मेदार प्रशासन और जागरूक नागरिक ही हमें इस 'जल-संकट' से बचा सकते हैं। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब इतिहास गवाह बनेगा कि मानव ने अपने ही हाथों से जीवन के स्रोत को नष्ट कर दिया। भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन उपायों को अपनाकर भविष्य के जल संकट को कम किया जा सकता है।

संपादकीय

सब कुछ डॉनल्ड ट्रंप पर निर्भर

ग्रीनलैंड मामले में हकीकत यह है कि सब कुछ डॉनल्ड ट्रंप पर निर्भर है। अगर उनके अमेरिका फर्स्ट की सोच में अपने सहयोगी देशों को निगलना भी शामिल है, तो फिर उन्हें कैसे रोका जाएगा, यह साफ नहीं है। ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने के डॉनल्ड ट्रंप के जुनून से यूरोप में गुस्सा तो फैला है, लेकिन एक किस्म की लाचारी का अहसास भी वहां है। यूरोपीय नेता जानते हैं कि ट्रंप अपने इरादे पर अड़े रहे, तो उन्हें रोकना आसान नहीं होगा। इसलिए आठ यूरोपीय देशों के नेताओं के डेनमार्क से एकजुटता जताने और यूरोप-अमेरिका के संबंधों पर खराब असर की चेतावनी देने का व्यावहारिक मतलब कम ही है। ग्रीनलैंड मुद्दे पर अमेरिका का विरोध कर रहे देशों के ऊपर 10 फीसदी टैरिफ लगाने के ट्रंप के एलान के बाद जारी साझा बयान में इन नेताओं ने उपरोक्त बातें कही हैं। उग्र यूरोपियन यूनियन की विदेश नीति प्रमुख काया केलास ने चीन और रूस का खतरा दिखाते हुए ट्रंप प्रशासन का विवेक जगाने की कोशिश की है।

बहरहाल, सवाल यही है कि ट्रंप ने अपना रुख नहीं बदला, तो यूरोप क्या करेगा? दूसरे विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने अपनी खास योजना-मार्शल प्लान-के तहत यूरोप को ढाला। नतीजतन, उसकी सुरक्षा के सूत्र हमेशा अमेरिका के हाथ में रहे। आज भी पूरे यूरोप में लगभग 76, 000 अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। यूरोप के 80 प्रतिशत तक हथियार अमेरिकी कंपनियां सप्लाई करती हैं। जिस नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) के भरोसे यूरोप के देश सुरक्षित रहते आए हैं, उनका निर्विवाद नेता अमेरिका है। 1990 के दशक के बाद यूरोप की वित्तीय व्यवस्था भी अभिन्न रूप से अमेरिका से जुड़ गई। तब अमेरिकी मंशा से अलग निर्णय लेने की यूरोप की राजनीतिक स्वतंत्रता और सिकुड़ गई। इस दौर में अमेरिका का पिछलग्गू बन कर यूरोप ने अपना नैतिक बल और भी गंवा दिया। मसलन, ताजा प्रकरणों को ही देखें, तो एक संश्लुप देश- वेनेजुएला- के राष्ट्रपति के अपहरण पर अगर-मगर भया रुख अपनाने के बाद ग्रीनलैंड मुद्दे पर यूरोपीय नेता जब डेनमार्क की संप्रभुता का समर्थन करते हैं, तो बाकी दुनिया को उनकी बातें विडंबनाभरी नजर आती हैं। इसीलिए हकीकत यह है कि सब कुछ ट्रंप पर निर्भर है। अगर उनके अमेरिका फर्स्ट की सोच में अपने सहयोगी देशों को निगलना भी शामिल है, तो फिर उन्हें कैसे रोका जाएगा, यह साफ नहीं है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भागना को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग यौनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। इश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्राह्मणी व्याकुल होकर क्लिप्त करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सर्पों को बुलाया। संपरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है।

संपरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझे से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूँ। इसके बाद संपरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।



सुनील कुमार महला

28 जनवरी को महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, आर्य समाज के प्रमुख विचारक तथा प्रखर राष्ट्रवादी नेता लाला लाजपत राय की जयंती मनाई जाती है। अपनी ओजस्वी वाणी, निर्भीक तेवर और अग्रेसी हुकूमत के सामने कभी न झुकने वाले व्यक्तित्व के कारण वे जनमानस में हार्पजाब केसरीहू (पंजाब का शेर) के नाम से विख्यात हुए। उनकी गर्जना (ओजस्वी भाषण) इतनी प्रभावशाली होती थी कि सभाओं में उपस्थित हजारों लोग एक ही आह्वान पर उनके पीछे चल पड़ते थे। निरसंदेह, वे भारतीय इतिहास के उन तेजस्वी सितारों में से एक हैं जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योत्रघर कर दिया। लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी 1865 को पंजाब के फिरोजपुर जिले के धुडीके गाँव (तत्कालीन पंजाब, ब्रिटिश भारत) में हुआ था। उनके पिता मुंशी राधाकृष्ण वर्दू-फारसी के विद्वान थे तथा माता गुलाब देवी एक धार्मिक एवं संस्कारवान महिला थीं। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की। इसी दौरान वे स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों से अत्यंत



विनोद कुमार सिंह

भारत केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता है-जहाँ शब्द जन्म लेते हैं, विचार आकार पाते हैं और दृष्टि भविष्य का निर्माण करती है।कर्तव्य पथ पर 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की मनमोहक झांकी 'भारत गाथा: श्रुति,कृति, दृष्टि' इसी शाश्वत सभ्यतागत प्रवाह का सशक्त दृश्य रूप बनकर सामने आई।मंत्रालय की यह झांकी वैदिक व विकसित भारत की कथा कहने की उस परंपरा को रेखांकित करती है,जो वेदों की मौखिक परंपरा से शुरू होकर आज एल्गोरिदम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इमर्सिव डिजिटल अनुभवों तक पहुंची है। यह जीवंत झांकी भारत की लिखित और कलात्मक नहीं,बल्कि आत्मनिर्भर भारत की उस चेतना का प्रतिबिंब है,जिसमें परंपरा और प्रौद्योगिकी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि सहयात्री हैं।प्रग्व ओम से एल्गोरिदम तक की यह यात्रा भारत की फलती-फूलती रचनात्मक अर्थव्यवस्था वैश्विक सामग्री शक्ति के रूप में उसके उभार और भविष्य के प्रति उसके आत्मविश्वास को उद्घाटित करती है। श्रुति:जहाँ शब्द सृजन बनते हैं।वैभारतीय सभ्यता में ज्ञान का प्रथम स्रोत श्रुति है-जो सुना गया, अनुभव किया गया और पीढ़ी-दर- पीढ़ी स्मृति में संचित रहा। झांकी का यह प्रथम खंड भारत की उसी मौखिक परंपरा को नमन करता है, जिसने सहस्राब्दियों तक ज्ञान को जीवित रखा।

भारत गाथा: श्रुति, कृति, दृष्टि – ओम से एल्गोरिदम तक भारत की रचनात्मक यात्रा

77वें गणतंत्र दिवस की उपलब्ध पर मनमोहक व ज्ञानवर्द्धक झाँकीयों पर विशेष

पीपल के वृक्ष के नीचे बैठे गुरु-शिष्य परंपरा का दृश्य केवल एक प्रतीक नहीं,बल्कि भारतीय शिक्षा-दर्शन की आत्मा है।यहाँ ज्ञान किसी पाठ्य-पुस्तक तक सीमित नहीं,बल्कि मानव जीवन का अंग है।गुरु का वाणी-संसार, शिष्य की एकाग्रता और प्रकृति की सांनिध्य-ये सब मिलकर उस समग्र शिक्षण परंपरा को रचते हैं,जिसमें शब्द साधना बन जाता है।

झांकी में उठेरे गए ध्वनि-तरंग रूपांकन और ओम का ब्रह्मांडीय प्रतीक यह स्मरण कराता है कि भारतीय दर्शन में ध्वनि को सृष्टि की मूल इकाई माना गया है।नाद-ब्रह्म की यह अवधारणा आज आधुनिक विज्ञान में भी प्रतिध्वनित होती दिखती है,जहाँ बौद्धिक परंपरा का प्रतीक है-जहाँ लेखन केवल रिकॉर्डिंग नहीं, बल्कि साधना है।महाभारत जैसे ग्रंथ ने केवल कथा है,बल्कि दर्शन, नीति, राजनीति और मानव मन के गहन अध्ययन का दर्पण हैं।इस खंड में पांडुलिपियाँ,ताडुपत्र शिलालेख,नाट्य-शास्त्र,संगीत, नृत्य और प्रदर्शन कलाओं के दृश्य भारत की उस बहुआयामी रचनात्मकता को सामने लाते हैं,जिसने विश्व को गणित,खगोल, आयुर्वेद,स्थापत्य और साहित्य की अमूल्य धरोहर दी।कृति का यह कालखंड बताता है कि भारत में लेखन और कला सत्ता का प्रतिकर नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना की

अभिव्यक्ति रही है। कवि, कथाकार, नाटककार और कलाकार समाज के द्रष्टा रहे हैं-जो समय की नब्ब पहचानकर उसे शब्द और स्वर देते हैं।झांकी का तीसरा और सबसे गतिशील खंड है दृष्टि-जो भारत की मीडिया यात्रा को दर्शाता है। प्रिंट से लेकर सिनेमा, रेडियो, टेलीविजन और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म तक,यह खंड भारत के आधुनिक अभिव्यक्ति माध्यमों की कहानी कहता है।विटेज कैमरे,फिल्म रील, समाचार पत्र, उपग्रह और बॉक्स ऑफिस प्रतीक-ये सब उन पीढ़ियों को ब्रह्मांजलि हैं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा और मीडिया को वैश्विक पहचान दिलाई।दादा साहेब फाल्के से लेकर सत्यजीत रे,राज कपूर से लेकर समकालीन फिल्मकारों तक-भारत की दृश्य कथा ने सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रनिर्माण और सांस्कृतिक आत्मविश्वास में अहम भूमिका निभाई है।यह खंड यह भी दर्शाता है कि भारतीय मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं,बल्कि सामाजिक संवाद और लोकतांत्रिक चेतना का वाहक रहा है। रेडियो की आवाज से लेकर दूरदर्शन के युग और आज के ओटीटी प्लेटफॉर्म-हर माध्यम ने भारत की विविधता को स्वर दिया। भविष्य की कहानी: एआई, एवीजीसी-एक्सआर और वर्चुअल प्रोडक्शन।झांकी का सबसे प्रेरक पक्ष है उसका भविष्य-दर्शन।एआई, एवीजीसी-एक्सआर और वर्चुअल प्रोडक्शन तकनीकों के माध्यम से यह संकेत दिया गया है कि भारत अब केवल सामग्री का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर कंटेंट क्रिएटर और हब बनने की ओर अग्रसर है।डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और स्किल इंडिया जैसी पहलें भारत की रचनात्मक प्रतिभा को वैश्विक मंच दे रही हैं।युवा क्रिएटर्स,गेम डेवलपर्स, एनीमेशन आर्टिस्ट और डिजिटल स्टोरीटेलर्स भारत की नई पहचान गढ़ रहे हैं-जहाँ कहानी कहने की परंपरा तकनीक के पंख लगाकर उड़ान भर रही है।



एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि वे भारत को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक रूप से सशक्त बनाने वाले दूरदर्शी चिंतक भी थे। उनकी लेखनी भी उतनी ही प्रखर थी- यंग इंडिया, अहर्भूषी इंडिया, भारत का इंग्लैंड पर आरोप, इंडिया विल टू फ्रीडम, भगवद्गीता का संदेश सहित अनेक कृतियाँ उनके विचारों की अमिट धरोहर हैं। वे पंजाब नेशनल बैंक के सह-संस्थापक, आर्य गजट के संपादक और कई शिक्षण-सामाजिक संस्थाओं के प्रेरणास्रोत रहे।अंततः कहा जा सकता है कि पंजाब केसरी लाला लाजपत राय शाहदत से श्रुत्य होकर ही भगवद्गीता के सार को समझें, उसे संजोएं और तकनीक के साथ मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहाँ भारत की कहानी विश्व की साझा धरोहर बने।



यह झांकी डब्ल्यू ए वी ई एस 2025 के दृष्टिकोण से भी जुड़ी है, जो भारत को वैश्विक सामग्री केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। 'संतारा अर्थव्यवस्था का उदय' केवल एक रूपक नहीं, बल्कि उस रचनात्मक अर्थव्यवस्था का संकेत है,जिसमें संस्कृति, मीडिया और तकनीक आर्थिक विकास के प्रमुख चालक बन रहे हैं। वैश्विक सहभागिता, व्यावसायिक समझौते और सांस्कृतिक आदान-प्रदान यह दर्शाते हैं कि भारत की कहानी अब विश्व सुनना चाहता है-और भारत उसे आत्मविश्वास के साथ सुना रहा है। सांस्कृतिक कलाक्रम और दूरदर्शी दृष्टि 'भारत गाथा: श्रुति, कृति, दृष्टि' झांकी एक साथ सांस्कृतिक कालक्रम और दूरदर्शी दृष्टिकोण है। यह अतीत की जड़ों से जुड़कर भविष्य की शाखाएं फैलाने का संदेश देती है।77वें गणतंत्र दिवस पर यह झांकी हमें याद दिलाती है कि भारत की शक्ति उसकी निरंतरता में है-आज परंपरा ठहराव नहीं, बल्कि नवाचार का आधार है। ओम की गूंज से लेकर एल्गोरिदम की गणना तक, भारत की कथा अनवरत प्रवाह में आगे बढ़ रही है।यह झांकी न केवल देखने का अनुभव है, बल्कि आत्मचिंतन का निमंत्रण-फ़ी-कि हम अपनी विरासत को समझें, उसे संजोएं और तकनीक के साथ मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें, जहाँ भारत की कहानी विश्व की साझा धरोहर बने।



‘सैयारा’ फेम अहान पांडे से कपैरिजन पर क्या बोले अहान शेही?

पिछले साल अहान पांडे ने मोहित सूरि की फिल्म ‘सैयारा’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही। अहान पांडे एक चंकी पांडे के भतीजे और अनन्या पांडे के कजिन हैं। जल्द ही सुनील शेही के बेटे अहान शेही भी फिल्म ‘बॉर्डर 2’ से अपनी तकदीर दोबारा लिखेंगे। इससे पहले उन्होंने छह साल पहले एक फिल्म ‘तड़प’ की थी। हाल ही जब अहान शेही का कपैरिजन, अहान पांडे से हुआ तो उन्होंने इस बारे में अपना नजरिया बताया। साथ ही पिता सुनील शेही की एक सलाह का भी जिक्र किया।

क्या बोले अहान शेही?

इंटरव्यू में अहान शेही कहते हैं, ‘आज लोग सिर्फ 2 से 3 मिनट की क्लिप देखकर ही रिपवट कर देते हैं। मैं जानता हूँ कि मेरे और अहान पांडे के बीच कपैरिजन हो रहा है। मैं अहान पांडे को जानता हूँ। यह भी जानता हूँ कि उसने फिल्म ‘सैयारा’ के लिए कितनी मेहनत की थी। हमारे बीच कोई रिस नहीं है। हम दोनों के अलग-अलग करियर हैं। हम दोनों एक-दूसरे की रीस्पेक्ट करते हैं। हम सब एक ही इंडस्ट्री का हिस्सा हैं लेकिन सोशल मीडिया के दौर में लोगों को एक-दूसरे का सपोर्ट नहीं दिखता है।’ अहान शेही की डेब्यू फिल्म ‘तड़प’ नहीं चली थी। इसके बाद वह किसी फिल्म में नजर नहीं आए। अब छह साल बाद ‘बॉर्डर 2’ का हिस्सा बने हैं। ऐसे में पिता की एक सीख को वह काफी अहमियत देते हैं। वह बताते हैं कि पिता और अभिनेता सुनील शेही ने फिल्मी दुनिया की एक कड़वी सच्चाई उन्हें बताई। अहान शेही कहते हैं, ‘पापा ने कहा था बाकी किसी फील्ड में जब आप गिरते हो तब आप दोबारा खड़े हो सकते हैं। लेकिन जब आप फिल्मी दुनिया में गिरते हो, असफल होते हो तो तब दुनिया की नजर आपके ऊपर होती है। लोग आपको महसूस कराते हैं कि आप कुछ भी नहीं हो। लोगों को लगता है कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के हीरो नासमझ हैं। लेकिन यह सच नहीं है। हम भी स्मार्ट लोग हैं।’



कोहरा 2 में दिखाई देंगी मोना सिंह

कोहरा की अपार सफलता के बाद अब इसका दूसरा सीजन कोहरा 2 दर्शकों के लिए आ रहा है। मेकर्स ने हाल ही में इसकी ओटीटी रिलीज डेट की घोषणा की है। सीरीज 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह सीरीज केवल नेटफ्लिक्स पर ही उपलब्ध होगी। इस बार सीरीज में नया टिक्स्ट है। पहली बार दर्शकों ने बरुण सोबती को असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर अमरपाल गरुंडी के किरदार में देखा था। अब वे फिर से अपने किरदार में लौट रहे हैं। उनके साथ इस सीजन में मोना सिंह नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका में दिखाई देंगी। नया पोस्टर भी साझा किया। पोस्टर के कैप्शन में आइए इस नए शहर में सच को ढूँढ़ें। इसके साथ मेकर्स ने कोहरा 2 का लिखा है... धुंध में सच जो जाता है।



अपनी ही फिल्म ‘लईकी लईका’ में सरप्राइज देंगी राशा थडानी

फिल्म ‘लईकी लईका’ में राशा थडानी, मुज्या फेम अभिनेता अभय वर्मा के साथ नजर आएंगी। फिल्म से मेकर्स ने पहला गाना ‘छाप तिलक’ रिलीज किया। खुद राशा ने भी इस गाने के रिलीज होने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस गाने में क्या खास है?

सिंगर बनी राशा

फिल्म के इस पहले गाने ‘छाप तिलक’ की खास बात यह है कि एक्ट्रेस राशा ने खुद गाया है। इस गाने के जरिए राशा ने बतौर सिंगर डेब्यू किया है। एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया। फिल्म के इस पोस्टर में राशा हुडी पहने नजर आ रही हैं। पोस्टर पर एक तरफ पंजाब के शहर फरीदकोट का नाम लिखा हुआ है वहीं दूसरी तरफ राशा का नाम लिखा है। राशा ने अपने इस कदम से फैंस को बता दिया कि वो एक मल्टीटैलेंटेड एक्ट्रेस हैं।

इसी साल रिलीज होगी फिल्म

फिल्म ‘लईकी लईका’ के पोस्टर हाल ही में रिलीज हुए हैं। इसे सौरभ गुप्ता ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म की कहानी प्यार,

दर्द और भरोसे पर केंद्रित होगी। यह इसी साल मार्च-अप्रैल में रिलीज होगी।



तमन्ना ने किया सपोर्ट

राशा की इस पोस्टर पर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने स्वीट रिप्लेशन देते हुए लिखा- ‘मैं इसका और इंतजार नहीं कर सकती।’ इतना ही नहीं, तमन्ना ने राशा को सपोर्ट करते हुए एक इंस्टा स्टोरी भी साझा की। इसमें उन्होंने राशा के लिए लिखा- ‘छुपी रुस्तम, क्या कमाल गाना गा रही हो..’

नयनतारा ने की मर्दानी 3 के ट्रेलर की तारीफ



रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म मर्दानी 3 को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। फिल्म के ट्रेलर को साउथ की मशहूर एक्ट्रेस नयनतारा ने देखा है और इसकी तारीफ की है।

उन्होंने इसका ट्रेलर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी शेयर किया है। मर्दानी 3 के ट्रेलर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए नयनतारा ने लिखा सिर्फ एक ही रानी है, वह है रानी मुखर्जी। यह ट्रेलर वाकई आग लगाने वाला है। आपको तरह कोई नहीं है। मैं इस फिल्म का इंतजार कर रही हूँ। इसके साथ उन्होंने दिल और फायर वाला इमोजी बनाया है।

कैसा है मर्दानी 3 का ट्रेलर?

फिल्म मर्दानी 3 रानी मुखर्जी की मशहूर फिल्म सीरीज मर्दानी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म में रानी एक निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी राय के रोल में वापस आ रही हैं। ट्रेलर में एक डार्क और सीरियस कहानी दिखाई गई है जो क्राइम, दर्द और लापता लड़कियों के बारे में है। ट्रेलर पर दर्शकों ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे बहुत भावुक और असरदार बताया है।

कब रिलीज होगी मर्दानी 3?

मर्दानी 3 में मल्लिका प्रसाद विलेन के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अभिराज मोनावाला ने किया है। यह फिल्म 30 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।



गोलमाल 5 पर रोहित और अजय ने शुरू किया काम, मुंबई में तैयार किए जा रहे हैं भव्य सेट्स

रोहित शेही और अजय देवगन ने ने आने वाले दो वर्षों के लिए एक ठोस सिनेमाई रोडमैप तैयार कर लिया है। इस प्लान का सबसे अहम पड़ाव है सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज की अगली किस्त गोलमाल 5, जिस पर अब आधिकारिक तौर पर काम शुरू हो चुका है। फिल्म सिर्फ एक और सीकल नहीं, बल्कि फ्रेंचाइज को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश मानी जा रही है। यही वजह है कि इसकी तैयारी पेपर से निकलकर सीधे बड़े स्तर पर प्रेक्टिकल एक्जीक्यूशन में बदल चुकी है। इस बार रोहित ने अपनी पुरानी शूटिंग स्ट्रैटेजी में भी बड़ा बदलाव किया है। गोवा या रामोजी फिल्म सिटी के बजाय गोलमाल 5 का बेस मुंबई फिल्म सिटी रखा गया है। यहां फिल्म के लिए कैफे, पुलिस स्टेशन और एक भव्य हवेली जैसे कई सेट्स बनाए जा रहे हैं, जिन पर तेजी से काम चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक, ये सभी सेट्स अगले महीने तक तैयार हो जाएंगे। फरवरी 2026 के अंत से फिल्म की रेगुलर शूटिंग शुरू होगी, ताकि लंबे मेराथन शेड्यूल को बिना रुकावट पूरा किया जा सके।

इस बार कहानी में एक फीमेल विलेन की भी होगी एंट्री

फिल्म की मुख्य स्टारकास्ट में इस बार अजय के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलवड़े और कुणाल कपूर की वापसी लगभग तय मानी जा रही है, लेकिन इस बार सबसे बड़ा सरप्राइज शरमन जोशी की वापसी है, जो करीब 19 साल बाद गोलमाल फ्रेंचाइज में लौट रहे हैं। इसके अलावा, स्क्रिप्ट में एक और बड़ा बदलाव किया गया है। इस बार कहानी में एक फीमेल विलेन को अहम भूमिका दी गई है।

धमाल 4 में कॉमेडी के साथ एक्शन भी दिखेगा

अजय के करियर के लिहाज से साल 2026 बेहद व्यस्त और अहम रहने वाला है। गोलमाल 5 के अलावा उनके पास दृश्यम 3, धमाल 4 और जगन शक्ति के निर्देशन में बन रही एक्शन फिल्म रेंजर भी लाइनअप में हैं। दृश्यम 3 की रिलीज 2 अक्टूबर 2026 के लिए तय मानी जा रही है, जबकि धमाल 4 में इस बार कॉमेडी के साथ बड़े स्तर का एक्शन देखने को मिलेगा। इंडस्ट्री में इसे कॉमेडी फ्रेंचाइज का अब तक का सबसे महंगा और टेक्निकली चैलेंजिंग पार्ट है।

तान्हाजी 2 पर भी प्लानिंग जारी, रोहित करेंगे सिम्बा 2 या सूर्यवंशी 2 पर फोकस

गोलमाल 5 की रिलीज के बाद रोहित शेही का पूरा फोकस अपने बहुचर्चित कॉप यूनिवर्स के अगले चेंटर पर होगा। चर्चा है कि 2027 में सिम्बा या सूर्यवंशी के अगले भाग पर काम शुरू हो सकता है। वहीं अजय भी अपनी ऐतिहासिक फिल्म तान्हाजी 2 को लेकर शुरुआती स्तर पर प्लानिंग कर रहे हैं। इसका पहला पार्ट ओम राउत ने निर्देशित किया था। फिलहाल यह साफ नहीं है कि इस बार भी ओम ही निर्देशन करेंगे या नहीं।

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 और टॉक्सिक के वलैश को लेकर किया पोस्ट



राम गोपाल वर्मा ने हाल ही में आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं आज राम गोपाल वर्मा ने यश की फिल्म टॉक्सिक और रणवीर सिंह की धुरंधर 2 की एक ही दिन में रिलीज को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। निर्देशक ने इसे धुरोक्सिक नाम देते हुए दोनों फिल्मों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कैसा होगा दो फिल्मों का टकराव?

राम गोपाल वर्मा ने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 और यश की फिल्म टॉक्सिक के बीच 19 मार्च 2026 को होने वाले बड़े बॉक्स ऑफिस टकराव पर अपनी राय दी है। उन्होंने एक्स पर अपनी राय शेयर की है। निर्देशक ने इसे मजेदार नाम दिया है- धुरोक्सिक। निर्देशक ने लिखा कि यह सिर्फ दो फिल्मों की रिलीज का टकराव नहीं, बल्कि यह भारतीय सिनेमा का प्रलय का दिन होगा।

कैसी होगी धुरंधर 2

राम गोपाल वर्मा ने धुरंधर 2 को लेकर लिखा, धुरंधर 2 एक यथार्थवादी सिनेमा है। इसमें कहानी असली जिंदगी पर आधारित है। हिंसा इसलिए होती है क्योंकि जरूरत है, न कि सिर्फ दिखावे के लिए। हीरो एक आम इंसान है, जो वक्त आने पर गलती कर सकता है, घायल हो सकता है और हार भी सकता है। फिल्म दर्शकों को भावनाओं से जोड़ती है।

टॉक्सिक को लेकर राय

वहीं कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक को लेकर राम गोपाल वर्मा ने लिखा, यह बहुत अवास्तविक फिल्म है क्योंकि इसमें स्टाइल और कुलनेस पहले आती है और लॉजिक बाद में। हिंसा सिर्फ एटीट्यूड दिखाने के लिए है। हीरो बुलेटप्रूफ है, कभी हारता नहीं, दुनिया उसकी पूजा करती है। फिल्म दर्शकों को सिर्फ एक्साइटमेंट देना चाहती है, गहरी भावनाएं नहीं। कैमरा हीरो को भगवान जैसा दिखाने की कोशिश करता है।

19 मार्च को होगा फिल्मों का फैसला

19 मार्च को धुरंधर 2 और टॉक्सिक रिलीज के बाद कई सवालों का जवाब देंगी। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, क्या आज भी लोग अंधेरे, स्लो-मोशन में चलने वाले हीरो को पसंद करेंगे? या फिर सिर्फ



तमाशा दिखाने वाली हिंसा को लोग स्वीकार करेंगे? उन्होंने आगे लिखा, दोनों फिल्मों साथ देखना ऐसा होगा जैसे एक तरफ युद्ध का मैदान हो और दूसरी तरफ फैशन शूट। एक फिल्म (धुरंधर) दिल को छूती है और दूसरी (टॉक्सिक) सिर्फ कैमरे के लिए पोज देती है।

सच्चाई और स्टाइल में किसकी होगी जीत?

राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, दोनों फिल्मों के बीच जो टकराव है, वो सच्चाई और स्टाइल को लेकर है। राम गोपाल वर्मा ने आगे लिखा, इससे शायद दक्षिण भारतीय फिल्मों वाली नायक पूजा (हीरो को भगवान बनाने की परंपरा) का अंत शुरू हो सकता है। दर्शक अब भगवान नहीं, बल्कि आम इंसान वाला हीरो चाहते हैं। या फिर उल्टा भी हो सकता है।



साथ ही स्पष्ट है कि पार्टिकुलर फील्ड में आप सम्बंधित क्षेत्र की विशेषज्ञता की हद तक जानकारी लेगे।

खास बात यह भी है कि एलएलबी के बाद एनएलएम और पीएचडी जैसी विशेषज्ञता भी आप हासिल कर सकते हैं और बाद के दिनों में आप न्यायपालिका की परीक्षा देकर जज बनने की भी कोशिश कर सकते हैं।

लॉ करने के लिए देश भर के कुछ अच्छे कॉलेजों की बात कर तो नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इण्डिया यूनिवर्सिटी, बैंगलूर, नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, हैदराबाद, नेशनल लॉ इन्स्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल, देवेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंस, कोलकाता, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर, हिदायतुल्लाह नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, रायपुर, गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी अहमदाबाद, डॉ. राममनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, लखनऊ, राजीव गांधी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, पटियाला, चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लागल स्टडीज, कोच्चि का नाम मुख्य रूप से गिनाया जा सकता है। यू.अधिकांश यूनिवर्सिटीजों में यह कौर्स उपलब्ध हैं और देश के तमाम जिलों में आपको ऐसे कॉलेज मिल जायेंगे, जहाँ से आप लॉ में एडमिशन लेकर कानून की समझ बढ़ा सकते हैं। वर्तमान में इस कौर्स के रकबा की बात करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ट्रेडिशनल अदालती प्रैक्टिस के अलावा कॉरपोरेट वर्ल्ड में, एनजीओ में, बैंकिंग सेक्टर में, सरकार एवं उसके संस्थानों में, स्वतंत्र पत्रकारिता (फ्रीलांस जर्नलिज्म) में, सेवा तक में, लॉ फेल्स के साथ-साथ न्यायिक सेवा तक में इसका विस्तार है।

महिलेतरिया उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत सामूहिक दवा सेवन गतिविधि दौरान दो वर्ष से कम आयु वर्ग, गर्भवती महिला, गर्भीरु बीमारी से पीड़ितों को दवा नहीं दी जाएगी। राष्ट्रीय कुमिष्टिक मुक्ति दिवस के तहत 01 से 02 वर्ष के बच्चों को केवल एल्वेन्जोल को आधी गोली दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत 10 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक बृथ लायकर आंगनवाड़ी केंद्रों, स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों, बस स्टैंड एवं शहरी क्षेत्रों में दवा सेवन कराया जाएगा। 13 फरवरी से 22 फरवरी 2026 तक समुदाय स्तर पर घर-घर भ्रमण कर दवा सेवन कराया जाएगा। इसके पश्चात 23 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक मॉप-अप राउंड के अंतर्गत छूटे हुए जनसंख्या को घर-घर जाकर दवा सेवन कराया जाएगा। साथ ही 10 फरवरी से 25 फरवरी 2026 तक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य निजी चिकित्सालयों में ओपीडी के पास एमडीएफ कॉर्नर स्थापित कर दवा सेवन कराया जाएगा।

दिनांक 26.01.2026 को
किरंतल पुर्वोत्तर ग्राउंड में देश का
77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।
मुख्य अतिथि रवीन्द्र नारायण,
अधिशासी निदेशक तथा राजेश संधू,
परियोजना के वरिष्ठ कर्मचारी ने
संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया।
मुख्य अतिथि ने सीआईएसएफ
जवानों, एनसीसी कैडेट एवं स्कूल
छात्र-छात्राओं की पोंड की सलामी
ली। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि
ने देश के विकास में एनएसडीसी द्वारा
दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान बतया
गया। परियोजना कर्मचारियों से
उत्पादन-उत्पन्नकता के कीर्तिमान
हासिल करने की अपील एवं
सीएसआर के तहत आसपास के
ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे
विकासवात्यक कार्यों को भी बतया।
तथा परियोजना की क्वालिटी सिकल
टीमों को बधाई दी। मुख्य अतिथि ने
बेस्ट वर्कर्स अवार्ड और खेलकूद के



पुरस्कार प्रदान किए। परियोजना विद्यालय द्वारा एकता गीत प्रस्तुत किया गया। विद्यामंदिर स्कूल एवं भारतमाता स्कूल, गायत्री ग्रामोत्थान सेवा समिति द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा केवीएस, डीएवी, प्रकाश विद्यालय एवं बीआईओपी

स्कूल द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुतियां की गई। समारोह के दौरान आनंद मेला का आयोजन भी हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक संघों ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाए। जिसका आमजनों ने व्यंजनों का आनंद लिया।



साई इंटरनेशनल स्कूल कावेर
सिंगरभट्ट में गणतंत्र दिवस के
अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम
आयोजित किया गया। इस अवसर
पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ.
तोष लाल वर्मा विशेष रूप से
उत्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत
में, विद्यालय के छात्रों ने तिरंगा
पहराया और राष्ट्रगान गाया। इसके
बाद, छोटे-छोटे नहरे मुझे छात्रों ने
संस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए,
जिसमें देशभक्ति गीत, नृत्य और
नाटक शामिल थे। इन कार्यक्रमों ने
दर्शकों का मन मोह लिया और उन्हें
देशभक्ति की भावना से भर दिया।
तोष लाल वर्मा ने अपने संबोधन में

कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे देश की आजादी और संविधान की महता को याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश के लिए एकजुट होना चाहिए और अपने कर्तव्यों को निभाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को देशभक्ति की भावना से भरने के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपने देश के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

विद्यालय के प्रमुख राजेंद्र मिश्रा ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया और कहा कि विद्यालय के छात्रों को देशभक्ति की भावना से भरने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय के छात्र देश के भविष्य हैं और उन्हें अपने देश के लिए काम करना चाहिए।



उस एमएलसी फॉर्म के सभी प्रक्रिया पूर्ण कर एवं घातल व्यक्ति का परीक्षण किया जाकर ऑनलाइन रिपोर्ट **MEDILPER** परियोजना में अपलोड कर दिया जाता है। इसी प्रकार पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए भी यही प्रक्रिया निर्धारित की गई है। इस परियोजना के प्रारंभ होने पर शासकीय चिकित्सकों को **MEDILPER** फॉर्म भरने में कई प्रकार की व्यवहारिक एवं तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था, जिससे मेडिकल रिपोर्ट प्राप्त करने में भी आवश्यक विलंब हो रहा था। उक्त दिक्कतों एवं समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में आज दिनांक 27.01.2026 को दोपहर 01.00 बजे से पुलिस कार्यालय समक्ष बलौदाबाजार में जिले के समस्त राजपत्रित पुलिस अधिकारी, थाना एवं चौकी प्रभारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी अधिकारी, खंड चिकित्सा अधिकारियों के मध्य एक समन्वय बैठक आयोजित किया गया। बैठक में **MEDILPER** पोर्टल अंतर्गत मेडिकल रिपोर्ट एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट अपलोड करने में आ रही व्यवहारिक

एवं तकनीकी दिक्ताओं के संबंध में चर्चा किया गया। बैजक के दौरान श्रीमती भावना गुप्ता ने कहा कि MEDIPER पोर्टल किसी प्रकरण में आहत व्यक्ति अथवा पीडित व्यक्ति को पुष्कृत रिपोर्ट तुरंत प्रसार करने तथा पीडित को न्याय दिलाने एवं आरोपी को न्यायालय से सजा दिलवाने हेतु प्रारंभ की गई है। इसके अनावश्यक विवरण होने से आरोपी पक्ष को लाभ मिलने की संभावना से भी डरकार नहीं किया सकता, इसलिए समस्त पुलिस अधिकारी एवं शासकीय चिकित्सक आपसी समन्वय स्थापित करके MEDIPER पोर्टल में रिपोर्ट अपलोड करने की प्रक्रिया में तेजी लावे। बैजक में श्री हेमसागर सिदार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भाटापारा, श्री अपूर्व क्षत्रिय एसडीओ बलौदाबाजार, श्री तोरश ओझा एसडीओ भाटापारा, श्री कौशल किशोर वासनिक उप पुलिस अधीक्षक कैप सडसोल, श्री प्रेमलाल साहू उप पुलिस अधीक्षक सक्ति जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारी, जिला चिकित्सा अधिकारी बलौदाबाजार एवं जिले के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तदा खंड चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

विजय साहू -जिला
बलौदाबाजार -भादवापुरा पुलिस
सीसीटीएनएस परियोजना अंतर्गत
मैडिकल मुलाहिजा (एमएलसी
रिपोर्ट) एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट
MEDLIPER पोर्टल में अपलोड
की प्रक्रिया पूर्ण करने के संबंध में
बैठक में हुई चर्चा MEDLIPER
पोर्टल में कार्य करने में आ रही
तकनीकी एवं व्यावहारिक दिक्कतों दूर
करने के लिए विशेष रूप से
आयोजित की गई बैठक बैठक में
परस्पर समन्वय स्थापित कर
MEDLIPER पोर्टल में रिपोर्ट
निर्धारित समय में अपलोड के संबंध
में हुई महत्वपूर्ण चर्चापूर्व में किसी भी
प्रकार के प्रकरण में घायल अथवा
अहृत व्यक्ति का पुलिस प्रक्रिया के
औरान चिकित्सा स्वास्थ्य परीक्षण
(एमएलसी फॉर्म) भरकर मैडिकल
रिपोर्ट प्राप्त करने एवं इसी प्रकार
पोस्टमार्टम प्रक्रिया के दौरान पीएम
फॉर्म भरकर रिपोर्ट हेतु शासकीय
अस्पताल भेजा जाता था। यह प्रक्रिया
पूर्ण रूप से हस्तचलित थी। वर्तमान
समय में यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन
संचालित करने हेतु सीसीटीएनएस
परियोजना अंतर्गत
MEDLIPER पोर्टल प्रारंभ
किया गया है, जिसके तहत संबंधित
थाने से मैडिकल घायल व्यक्ति का
एमएलसी रिपोर्टल फॉर्म भरकर
MEDLIPER परियोजना
अंतर्गत ऑनलाइन संबंधित शासकीय
चिकित्सायंत्र में भेजा जाता है।
तत्पश्चात संबंधित अस्पताल में ड्यूटी
में उपस्थित शासकीय चिकित्सा द्वारा

पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के तत्वावधान में भारत स्वाभिमान एवं पतंजलि योग समिति द्वारा आयोजित 25 दिवसीय सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के अंगवत दीक्षात समारोह ग्राम पंचायत बसदेई में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 1 जनवरी 2026 से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 50 योग साधकों को पछिल्ले वर्ष प्रशिक्षित 50 सह योग शिक्षकों सहित कुल 100 सह योग शिक्षकों का दीक्षात समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े मुख्य अतिथि रही, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व गृह मंत्री एवं वन विकास निगम अध्यक्ष रामचंद्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथियों में स्वामी आशोकानंद शास्त्री, राम शर्मा (महामंत्री, छत्तीसगढ़ पतंजलि भारत स्वाभिमान न्यास), निधिश्री (आध्यात्मिक प्रवक्ता), कमलेश सोनी (सह राज्य प्रभारी, पतंजलि योग समिति), शैलेन्द्र विषी (संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ योगशिक्षण स्पेर्टर्स एसोसिएशन), आर.एस. पटेल (राज्य कार्यक्रम सचिव) तथा भीमसेन अग्रवाल (संरक्षक) उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक एवं जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति राम प्रताप राजवाड़े ने बताया कि यह सज्जनपुर जिले में सह योग शिक्षक प्रशिक्षण का दूसरा आयोजन है। इससे पूर्व भटनाग में 50 तथा वर्तमान में बसदेई में 50 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि योग सेवा के विस्तार के लिए प्रशिक्षण योग शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वारा 100 घंटे का



मानक पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है, जिसमें ऑनलाइन एवं ऑफ़लाइन दोनों माध्यमों से प्रशिक्षण दिया जाता है। परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर प्रशिक्षुओं को पतंजलि प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाता है।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए निधिश्री ने कहा कि दीक्षांत केवल प्रशिक्षण की समाप्ति नहीं, बल्कि समाज सेवा के संकल्प की शुरुआत है। शैलेन्द्र विशी ने युवाओं के लिए योग को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन का प्रभावी माध्यम बताया। रामसेनकर पैकरा ने कहा कि स्वस्थ तन और मन के लिए योग अनिवार्य है। संरक्षक

पीमसेन अग्रवाल ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सनातन परंपरा है, जिसे जन-जन तक पहुंचाना का कार्य पंतजलि द्वारा किया जा रहा है। इससे गांव-गांव में योग शिक्षण तैयार हो रहे हैं। मुख्य अतिथि लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बसंदेश की तरह सभी पंचायतों में योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मन और आत्मा को भी सशक्त बनाता है। उन्होंने पंतजलि योग समिति के कार्यों की सराहना करते हुए सहयोगी आश्वासन दिया। कमलेश चौरा ने कहा कि योग व्यक्तियों में राष्ट्रीय सोचन निर्माण का माध्यम है और भारत

स्वाभिमान के माध्यम से योग सेवा एक सशक्त जनआंदोलन बन चुकी है। कार्यक्रम के अंत में पूर्व वर्य उषीण सह योग शिक्षकों के अंतर्गत अभिषेयों द्वारा प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। जेला प्रभारी भारत स्वाभिमान न्यास राजेन्द्र लाठक ने आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में योग शिक्षक कोशल सहू, रूद्रेक्ष विशेन, शम्भू नारायण देवांगन, राजेश जायसवाल, प्रदीप पैकरा, अमलगर राजवाड़े, कमल किशोर जायसवाल, श्रीकांत पंडित सहित ग्राम पंचायत बसदेई के जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों का सहभागिता सहयोग रहा।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्थंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 7000489995